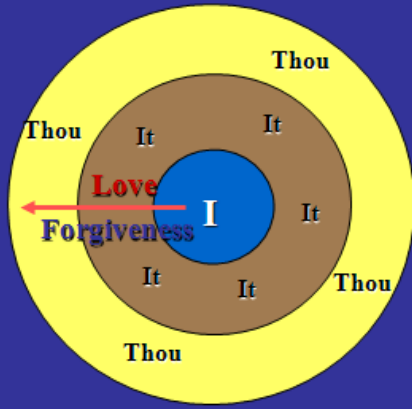


## ***“I” and “Thou” (Subject-subject)***

- openness
- directness
- Sincerity (no wax)
- grace
- presence
- feelings/emotions
- awe
- love
- forgiveness
- mutuality
- “I am as you”
- temporary



© Tom Peterson, 2005

### ***I and It***

---

---

---

---

---

---

---

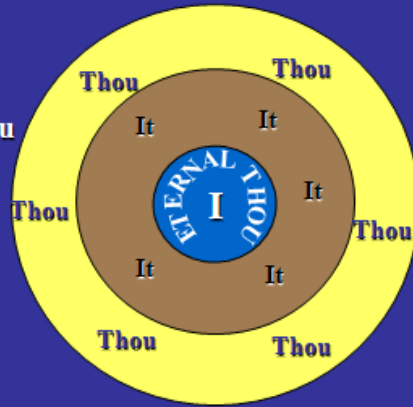
---

---

---

## ***“I” and “Eternal Thou”***

- loving unconditionally
- agape love
- self-sacrificing love
- lay down my life for you
- reconciliation
- Eternal Thou



© Tom Peterson, 2005

### ***I and Thou***

---

---

---

---

---

---

---

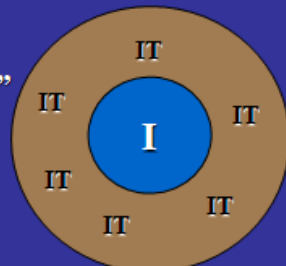
---

---

---

## ***“I” and “It” (Subject-object)***

- world of things/objects
- experienced and used
- analyzed objectively
- enhance the presence of “I”
- exists in the present
- word of separation
- inherent in institutions



© Tom Peterson, 2005

### ***I and Thou***

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---